

1. किस भूगोर्वेत्ता ने विचार प्रकृत किया कि भूगोर्वेत्ता विज्ञान की तुलना में एक कर्मात्मक विषय है?

उत्तर:- काण्ट

2. किस भूगोर्वेत्ता ने यह जोर देकर कहा कि 'सामान्य भूगोर्वेत्ता प्रादेशिक और प्रादेशिक भूगोर्वेत्ता सामान्य या अव्यक्त है'?

उत्तर:- वारेनियस

3. किस भूगोर्वेत्ता को 'आराम कुर्सी' का नाम 'वैज्ञानिक भूगोर्वेत्ता' के रूप में जाना जाता है?

उत्तर:- काण्ट

4. सर्वप्रथम एक विशिष्ट विषय के रूप में भूगोर्वेत्ता की तार्किक विवेचना किसने की?

उत्तर:- इमैनुअल काण्ट

5. 'Description Regni Laponiae' नामक पुस्तक की रचना किसने की?

उत्तर:- वारेनियस

6. मानव ग्रह के रूप में शतक का अध्ययन का विचार किस भूगोर्वेत्ता का है?

उत्तर:- हम्बोल्ट

7. हम्बोल्ट द्वारा प्रतिपादित भौतिक भूगोर्वेत्ता सामान्य भूगोर्वेत्ता का ही दूसरा नाम था। इसे इन्होंने अपने किस ग्रन्थ में कहा?

उत्तर:- कोसमॉस

8. किस भूगोर्वेत्ता ने अध्ययन विधि या विधितंत्र का सूझावा कृतज्ञानकता थी। वे कल्पना पर नती कल्पित प्रत्यक्ष दर्शन पर विश्वास करते थे?

उत्तर:- हम्बोल्ट

9. किल शृंगोचकैना के आंगोविक तथ्यों को स्थिति को प्रदर्शित करने के लिए मानचित्र किये की उपयोग माना जाइसकिए उन्हेमें शुरोप के 6 आंगोविक मानचित्र बनाये थे?

उत्तर:- कार्ल रिटर

10. किल शृंगोचकैना के कथन आ कि " जिस प्रकार शरीर की रचना आत्मा के लिए हुई है उसी प्रकार पृथ्वी का निर्माण मानव जाति के अग्रजों के लिए हुआ है? "

उत्तर:- रिटर

11. शुरोप: आंगोविक ऐतिहासिक तथा सांख्यिकीय चित्रण ' मानक रचना किल शृंगोचकैना की है? "

उत्तर:- कार्ल रिटर

12. नियतिवाद या पर्यावरण निभतवाद के समर्थक के रूप में किल शृंगोचकैना को जाना जाता है?

उत्तर:- कार्ल रिटर

— 0 —